कमांक 1073—ज (II)—80/26997 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रिष्ठितियम, 1948 जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में धपनाया गया है धौर उसमें भाज तक संशीधन किया गया है) की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(1) के भनुसार सौंपे गए प्रिष्ठिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित अमित्तयों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके नाम के सामने दी गई फसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शतों के भनुसार सहके प्रदान करते हैं:—

<i>,</i> 有【有	जिला	जागीर प ने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई.	- काषिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
			,, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,			<b>च</b> पये
1	पोर्नह	श्रो जाये राम, पुत्र	र€≀ . झ	मा १	रनो, 1974 से बरोह, 1979	150
		श्री बहलू राम '	•		रबी, 1980	3))
2	रोहरह	श्रीगंगा राम, पुत्र	 न(हड़ इ	ः ज्ञिर	रजी, 1973 से खरी है, 1979 तक	, 150
		श्री मोती राम	•	•	तया रबी, 1980	300

दिनांक 11 प्रगस्त, 1980

क्रमांक 1070--ज (II)-80/27319--पूर्वी पंजाब युद्ध युष्टस्कार ऋधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपन्य ग्राह्म प्रेश उसने आज तक संबोधन किया गरा है, की घारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते दूर होता के राज्यात और किया प्राह्म को देवी सहाय, प्रान अब्छेज, तहसील अब्जर, जिला रोहतक को रबी, 77 से 150 रुपये वाजिक ना रबी 80 ने 300 राजे वाजिक की ना बाली युद्ध जागीर सनद में दी गरी शतों के अनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

कमांक 1160-त्र (I)-80/27482-- रूवीं पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अन्ताया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यनाल श्री लीला राम, पुत्र श्री रंगा राम, गांव पुर, तहसील बवानी खेड़ा, जिला भिवानी को खरीफ 1965 से रबी, 1970 तक 100 हरवे वार्षिक तथा खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमज बाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 842-ज-1080/27486.—श्री चन्दर सिंह, पुत्र श्री जय राम, गांव पटीकरा, तहसील व जिला नारनील की दिनांक 2 सक्तूबर, 1976, को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रक्षितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है और ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा (3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चन्दर सिंह को मुख्लिम 150 रुपये वार्षिक की जागीर को उसे हरियाणा सरकार की अधिस्चना कमांक 10707—जे एन III-66/18348, दिनांक 25 श्रगरत, 1966 तथा 5041-भार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमित तारादेवी के नाम खरीफ, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा जबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी बई शर्तों के ग्रन्तगंत प्रदान करिते हैं।

त्रमांक 822क्ज (ूर्ग)-80/27490.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन विया गया है) की धारा 2(ए)(ए) तथा 3(ए) के ग्रनुसार सौंपे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री मांगे राम, पुन्न श्री: हरि किशन, गांव कारेला, तहसील व जिला जीन्द को रबी, 1977 से 150 रुपये वार्षिक न्ताया रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत बाली युद्ध जागीर सनद में दी गयी शहते के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

्रे विनोक 👊 मगस्त, 1980, 🕒 🚟 🗸

क्षमार्क 1069-अ(II)-80/27689. - पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि लेसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उक्त में अब्ज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों जिला का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री रतन सिंह, पुत्र श्री निहाल सिंह, गांव सिजानी, पाना केसी, तहसील अज्जर, रिजारी हतक, को रबी, 1976 से 150 रुपये तथा रबी, 1980 से 300 अपने वार्षिक कीमत वार्षी युद्ध जागीर सनद में दी गई, बती के अनुसार सहवं प्रदान कुरते, हैं।

रधुनाथ जोशी, विशेष कार्य श्रक्षिकारी हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।